(3) ट्रेड–व्यावसायिक परिधान रचना एवं सज्जा

कक्षा–12

प्रथम प्रश्न–पत्र

(गृह विज्ञान का सामान्य ज्ञान)

1–व्यावसायिक शिक्षा की आवश्यकता एवं लाभ– **30 अंक**

विकासशील भारत की आवश्यकतायें, आकांक्षाओं और अपेक्षाओं के अनुरूप शिक्षा व्यवस्था में व्यावसायिक शिक्षा का स्थान।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार व्यावसायिक शिक्षा का महत्व।

व्यावसायिक शिक्षा से छात्र, समाज एवं देश को लाभ।

रोजगार ढूढ़ने वाले और रोजगार के अवसरों के बीच असंतुलन उत्पन्न करती जनसंख्या वृद्धि का ज्ञान।

(2) स्वास्थ्यवर्धक भोजन की जानकारी– **30 अंक**

भोजन के विभिन्न तत्व, उनकी आवश्यकता, प्राप्ति के स्रोत और कमी से होने वाले रोग।

जीवन के विभिन्न अवस्था में भोजन की आवश्यकता, प्रकार एवं मात्रा–शिशु, बालक, स्त्री, पुरुष, वृद्धावस्था, गर्भावस्था, धात्री मां, रोगी, श्रमिक, किसान आदि।

---

30 प्रतिशत कम किया गया पाठ्यक्रम–

1–व्यावसायिक शिक्षा की आवश्यकता एवं लाभ–

समाज के गुणात्मक सुधार को सुनिश्चित करने हेतु पुरुष और स्त्री दोनों समान भागीदारी से निर्णय लेने और स्त्रियों को शिक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता के अवसर।

मानव मूल्य के साथ–साथ परिवार की खुशी और समाज कल्याण हेतु भविष्य के लिए मौलिक और भावनात्मक सुरक्षा की सुदृढ़ बनाना।

(3) आत्म निर्भर बनाकर व्यवसाय द्वारा किये जाने वाले स्वरोजगार या विभिन्न कार्य, क्षेत्रों में सवैतनिक रोजगारों के अवसरों का ज्ञान।

अपने क्षेत्र में प्राप्त कच्ची वस्तु और उनसे निर्मित पदार्थों जिनका अन्य स्थानों में अधिक मूल्य आदि का ज्ञान।

द्वितीय प्रश्न–पत्र

(तन्तुओं का ज्ञान)

(1) तन्तुओं का वर्गीकरण– 20 अंक

प्राकृतिक तन्तु–सूती, रेशमी, ऊनी।

(2) तन्तुओं पर विभिन्न तत्वों का प्रभाव–पानी, दूध, ताप (आग) तथा रासायनिक पदार्थ (क्षार, अम्ल)। 20 अंक

(4) सिलाई में काम आने वाली वस्तुओं का ज्ञान–इंचीटेप, गुनिया, मिल्टन, चाक, अंगुस्ताना तथा विभिन्न प्रकार की कैचियां आदि। 20 अंक

---

30 प्रतिशत कम किया गया पाठ्यक्रम–

1–व्यावसायिक शिक्षा की आवश्यकता एवं लाभ–

समाज के गुणात्मक सुधार को सुनिश्चित करने हेतु पुरुष और स्त्री दोनों समान भागीदारी से निर्णय लेने और स्त्रियों को शिक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता के अवसर।

मानव मूल्य के साथ–साथ परिवार की खुशी और समाज कल्याण हेतु भविष्य के लिए मौलिक और भावनात्मक सुरक्षा की सुदृढ़ बनाना।

(3) आत्म निर्भर बनाकर व्यवसाय द्वारा किये जाने वाले स्वरोजगार या विभिन्न कार्य, क्षेत्रों में सवैतनिक रोजगारों के अवसरों का ज्ञान।

अपने क्षेत्र में प्राप्त कच्ची वस्तु और उनसे निर्मित पदार्थों जिनका अन्य स्थानों में अधिक मूल्य आदि का ज्ञान।

(3) सिलाई योग्य वस्त्र, उनकी विशेषतायें, वस्त्र सिलने के पूर्व तैयारियां (श्रिंग करना, प्रेस करना आदि)।

तृतीय प्रश्नपत्र

(सिलाई के सिद्धान्त)

(भाग–1)

(1) कुशल टेलर और कटर बनने के लिये योग्यतायें। 20 अंक

(2) वस्त्र निर्माण के सिद्धान्त– 20 अंक

ख्क, चेस्ट सिस्टम नाम द्वारा वस्त्र निर्माण।

ख्ख, सीधे सिस्टम नाम द्वारा वस्त्र निर्माण।

(3)सामान्य तथा असामान्य व्यक्तियों की नापें, तोंदिल, कूबड़ शरीर वाले व्यक्ति आदि। 20अंक

---

30 प्रतिशत कम किया गया पाठ्यक्रम–

(3) सामान्य कन्धा, झुका हुआ कन्धा, ऊंचा कन्धा,

चतुर्थ प्रश्नपत्र
(सिलाई के सिद्धान्त)
(भाग दो)

(1) विभिन्न प्रकार के वस्त्रों को काटते एवं सिलते समय सावधानियां (काटन, मखमल, नायलान, ऊनी वस्त्र)। 30 अंक

(2) आयु मौसम, विशेष अवसरों एवं सामान्य अवसरों पर पहनने वाले वस्त्रों से चुनाव का ज्ञान। 30 अंक

<u>30 प्रतिशत कम किया गया पाठ्यक्रम–</u>

(3) सिलाई क्रिया में प्रयोग आने वाले शब्दों का ज्ञान।

ट्रिमिंग, गिदरी हाला, डाई, गिरह, टेप, प्लीट, ताबीज, कुटका, ले, स्केल्टन, वेस्टिंग, चों ट्रायल आदि।

पंचम प्रश्न–पत्र
(परिधान रचना एवं सज्जा)

(1) विभिन्न प्रकार की आस्तीनें, जेबों में नमूनों का ज्ञान 26 अंक

(2) विभिन्न डार्ट्स, प्लेट्स, चुन्नटें और सिलाइयों का ज्ञान। 24 अंक

(3) परिधान रचना में फिटिंग, फिनिशिंग, प्रेसिंग एवं फोल्डिंग का महत्व तथा उपरोक्त क्रियाओं का ज्ञान। 10 अंक

<u>30 प्रतिशत कम किया गया पाठ्यक्रम–</u>

(3) सिलाई क्रिया में प्रयोग आने वाले शब्दों का ज्ञान।

ट्रिमिंग, गिदरी हाला, डाई, गिरह, टेप, प्लीट, ताबीज, कुटका, ले, स्केल्टन, वेस्टिंग, चों ट्रायल आदि।

(1) बटन, हुक, इलास्टिक तथा ग्रिप लगाने का ज्ञान।

<u>प्रयोगात्मक</u>

(ख)

शिशुओं के प्रयोग में आने वाले वस्त्र––

(1) झबला।

(3) टोपी, मोजा (बुटीज)।

(ग)

बालक एवं बालिकाओं के वस्त्र––

(4) बंगला कुर्ता (बालक एवं बालिकाओं हेतु)।

प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम

प्रयोगात्मक क्रिया–कलाप

(क)

(1) एप्रेन, बेबी तकिया, बेबी चादर, बेबी ब्लैंकेट एवं बिछाने की गद्दी।

(2) कैरिंग बैग, बेबी बाटल कवर।

नोट––उपरोक्त वस्त्रों को काट कर सिलना एवं सिले वस्त्रों की सज्जा करना।

(ख)

शिशुओं के प्रयोग में आने वाले वस्त्र––

(1) शमीज।

(2) बेबी फ्राक।

नोट––उपरोक्त वस्तुओं के रेखाचित्र बनाना, काटकर सिलना एवं सिले वस्त्रों की सज्जा करना।

(ग)

बालक एवं बालिकाओं के वस्त्र––

(1) स्कर्ट टाप।

(2) सलवार, कुर्ता।

(3) चूड़ीदार पैजामा।

नोट––उपरोक्त वस्त्रों का रेखाचित्र बनाना, वस्त्र काटना, सिलना एवं सज्जा करना।

(घ)

महिलाओं के वस्त्र––

(1) ब्लाउज

(2) पेटीकोट

(3) नाइटी

नोट––उपरोक्त परिधानों का रेखाचित्र बनाना, काटना एवं सिलाई के साथ सिले वस्त्रों की सज्जा करना।

टिप्पणी––प्रयोगात्मक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा।